हरियाणा

हरियाणा सरकार डिग्री स्तर तक मुफ्त शिक्षा सुविधाऐं (केवल शिक्षा शुल्क), अस्थायी राशन कार्ड, सामुदायिक आवास, मुफ्त चिकित्सा सहायता (केवल वहिरंग रोगी विभाग) दे रही हैं।

Setting up of training camps by Kashmiri Militants

241. SHRIMATI JAYAPRADA NAHATA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Kashmiri militants have set up camps within the territory of Jammu and Kashmir to train the youths in militancy;

(b) if so, whether the recent spurt in militant activities in the border districts of Rajouri and Poonch is an outcome of these camps; and

(c) if so, the steps taken by Government to demolish such camps?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI S. R. BALASUBRAMONIYAN): (a) to (c) Government are aware of the reports and efforts by the militants to indulge in terrorist activities in the Rajouri and Poonch areas of Jammu & Kashmir. Steps are being taken on a continuous basis to ensure that such activities and designs can be effectively contained. The steps taken include increased vigilance on the border/ LOC, strengthening of security arrangements in the area including increased and intensified involvement of the local police as well as the people of the area, through Village Defence Committees etc. A close watch is being maintained on the developments which are being closely monitored. Government are aware of the reports and efforts by the militants to indulge in terrorist activities in the Rajouri and Poonch areas of Jammu & Kashmir. Steps are being taken on a continuous basis to ensure that such activities and designs can be effectively contained. The steps taken include increased vigilance on the border/ LOC, strengthening of security arrangements in the area including increased and intensified involvement of the local police as well as the people of the area, through Village Defence Committees etc. A close watch is being maintained on the developments which are being closely monitored.

रोजगार कार्यालय के माध्यम से रोजगार

242. **प्रो0 विजय कुमार मल्होत्रा** : क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1 जून, 1997 की स्थिति के अनुसार रोजगार कार्यालयों में कितने अम्यार्थियों के नाम दर्ज थें;

(ख) पिछले पांच वर्षों के दौरान यह संख्या बढ़ी हैं अथवा घटी हैं;

(ग) पिछले पांच वर्षो के दौरान रोजगार कार्यालयों के माध्यम से प्रतिवर्ष कितने पुरूष और महिला अम्यार्थियों को रोजगार प्राप्त हुआ;

(घ) सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश में बेरोजगार व्यक्तियों की अनमानित संख्या कितनी हैं; और

(ङ) क्या नौवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान इन सभी व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया हैं?

श्रम मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री एम0 पी0 वीरेन्द्र कुमार) (क) और (ख) 31.4.97 की स्थिति के अनुसार (नवीनतम उपलब्ध) रोजगार कार्यालयों के चालू रजिस्टर पर रोजगार चाहने वाले व्यक्तियों, जिनमे यह आवश्यक नहीं कि सभी बेरोजगार हों, की संख्या 376.21 लाख थी तथा पिछले पांच वर्षों के दौरान इस संख्या में मामूली वृद्धि लक्षित हुई हैं।

(ग) पिछले पांच वर्षों के दौरान रोजगार कार्यालयों द्वारा किए गए वर्धवार पुरूष एवं महिला नियोजन संलगन विवरण में दिए गए हैं (नीचे देखिए)।

(घ) राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन द्वारा 1993-94 के दौरान किए सर्वेक्षण के अनुसार बेरोजगारी दर, कुल श्रम बल का 2056% हैं।

(ङ) 9वीं योजना के दृष्टिकोण में, पर्याप्त उत्पादक रोजगार सृजन तथा गरीबी उन्मूलन को ध्यान में रखते हुए कृषि एवं ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देने की परिकल्पना की गई हैं। रोजगार एवं बेरोजगारी की उच्च दर की प्रवृति वाले क्षेत्रों में श्रम गहन सैक्टरों, उप-सैक्टरों तथा प्रौद्योगिकियों पर संकेन्द्रण करते हुए विकासात्मक प्रक्रिया में उच्च उत्पादक रोजगार स्वतः ही सृजित हो जाएगा।

विवरण

रोजगार कार्यालयों द्वारा किए गए वर्षवार पुरूष/महिला नियोजन

वर्ष	किए गए नियोजनों की संख्या (हजार में)		
	पुरूष	महिला	योग
1	2	3	4
1992	194.5	44.2	238.7
1993	189.0	42.4	231.4
1994	162.8	42.1	204.9
1995	171.3	43.6	214.9
1996	182.9	50.1	233.0

रोजगार कार्यालयों में पंजीकृत बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या

243. **श्री राघवजी** :

श्री अजीत जोगी :

क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 31 मार्च, 1997 की स्थिति के अनुसार प्रत्येक राज्य में रोजगार कार्यालयों में पंजीकृत बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या कितनी हैं;

(ख) उनमें से तकनीकी स्नातक और सामान्य स्नातक व्यक्तियों की संख्या क्या हैं; और

(ग) पिछले तीन वर्षो दौरान प्रत्येक राज्य में रोजगार कार्यालयों के माध्यम से कितने पंजीकृत अभ्यार्थियों को रोजगार उपलब्ध कराया गया?

श्रम मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री एम0 पी0 वीरेन्द्र कुमार): (क) 31 मार्च, 1997 की स्थिति के अनुसार रोजगार कार्यालयों के चालू रजिस्टर पर, राज्य-वार रोजगार चाहने वालों की संख्या, यह आवश्यक नहीं कि उनमें सभी बेरोजगार हों, का विवरण विवरण-I पर सलंगन हैं (नीचे देखिए)

(ख)30.6.1994 (नवीनतम उपलब्ध) की स्थिति के अनुसार रोजगार कार्यालयों के चालू रजिस्टर पर तकनीकी तथा सामान्य स्नातक एवं स्नातकोत्तर रोजगार चाहने वालों की संख्या, यह आवश्यक नहीं कि उनमें सभी बेरोजगार हों, क्रमशः 10.27 लाख तथा 31.12 लाख थी।

(ग) वर्ष 1994, 1995 और 1996 के दौरान रोजगार कार्यालयों के माध्यम में राज्यवार नियोजित रोजगार चाहने वालों की संख्या विवरण-II पर संलगन हैं।

विवरण –I

31.3.97 की स्थिति के अनुसार रोजगार कार्यालयों के चालू रजिस्टर पर राज्य-वार रोजगार चाहने वालों की संख्या

क्र0 सं0	राज्य/संघ शासित प्रदेश	संख्या (हजार में)
राज्य		
1.	आन्ध्र प्रदेश	2886.7
2.	अरूणाचल प्रदेश	7.0
3.	असम	1419.9
4.	बिहार	3488.7
5.	गोवा	103.0
6.	गुजरात	927.6
7.	हरियाणा	772.8
8.	हिमाचल प्रदेश	646.7
9.	जम्मू और कश्मीर	167.1
10.	कर्नाटक	1793.1
11.	केरल	3291.4
12.	मध्य प्रदेश	2274.4
13.	महाराष्ट्र	3801.1
14.	मणिपुर	298.9
15.	मेघालय	28.4
16.	मिजोरम	56.4
17.	नागालैण्ड	20.7
18.	उड़ीसा	943.2
19.	पंजाब	548.7
20.	राजस्थान	879.2
21.	सिक्किम	-
22.	तमिलनाडु	3648.3
23.	त्रिपुरा	205.9
24.	उत्तर प्रदेश	2500.3
25.	पश्चिम बंगाल	5519.3
संघ शासित प्रदेश		
26.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	23.2
27.	चंडीगढ़	137.8